Report on the 236th Birth Anniversary Celebration of Pandit Lokratna Pant "Gumani"

Venue: Village Uparada, Gangolihat, District-Pithoragarh, Uttarakhand

Date: 10 March 2026.

The 236th birth anniversary of Pandit Lokratna Pant "Gumani" was celebrated on March 10, 2026, at village Uparada with great enthusiasm and reverence. The program was organized under the joint auspices of the Hindi Department and History Department of Government Postgraduate College, Berinag; Government College, Ganai Gangoli; Government College, Gangolihat; Gumani Holi Utthan Samiti, Uparada; and Pahad evam Himalaya Gram Vikas Samiti. The program aimed to commemorate the remarkable literary contributions of Gumani and to promote awareness about the region's rich cultural and literary heritage among students and the local community.

The highlight of the program was a keynote lecture delivered by Professor Uma Bhatt, Retired Head of the Hindi Department, Kumaun University, Nainital, on the topic "The Literary Contribution of Gumani: A Discussion." In her scholarly and insightful address, she elaborated on the life, personality, and literary works of Gumani, describing him as one of the most distinguished poets of Sanskrit literature. She emphasized that Gumani's writings reflect deep philosophical thought, cultural values, and a strong connection with the socio-cultural fabric of the Kumaon region. She further highlighted his significant contribution to folk literature and suggested the establishment of a dedicated museum or archival center to preserve his manuscripts and works, so that future generations can easily access and appreciate them.

Prof. Siddheshwar Singh, Principal of Government College, Ganai Gangoli, appreciated Gumani's works as socially relevant and beneficial for society. He underlined the moral and cultural messages embedded in his poetry and recited one of his compositions, which was well received by the audience. Prof. G.C. Pant of Maldhanchaur College spoke about the renowned Kumaoni poem "Kahe Gumani" and provided insights into its literary importance, while also sharing other notable compositions of Gumani with the students. Dr. Shivani Karnatak, Assistant Professor at Government PG College, Berinag, also contributed to the program by reciting selected poems of Gumani, enriching the literary ambiance of the event.

The program witnessed active participation from students of Government PG College, Berinag and Government College, Gangolihat, who enthusiastically recited Gumani's poems and showcased their appreciation for his literary legacy. Their participation added vibrancy and reflected the continuing relevance of Gumani's works among the younger generation.

In his presidential address, Principal Prof. B.M. Pandey highlighted the importance of organizing such events for the preservation and promotion of folk culture and regional literature. He stated that Gumani's contributions are invaluable and must be disseminated widely to strengthen cultural identity and awareness. He also emphasized the need for continued academic and cultural initiatives in the future.

The program was efficiently conducted by Dr. Leeladhar Mishra, who ensured the smooth flow of events, while the formal vote of thanks was delivered by Dr. J.N. Pant, expressing gratitude to all dignitaries, participants, and attendees for their valuable presence and support.

The event concluded on a successful note with the gracious presence of faculty members, staff, students, and residents of Uparada village, making it a meaningful, informative, and memorable celebration dedicated to honoring the legacy of Pandit Lokratna Pant "Gumani."

पंडित लोकरत्न पंत "गुमानी" जयंती समारोह
गुमानी का साहित्यिक योगदान : एक परिचर्चा
मुख्य वक्ता : प्रोफेसर रमा भट्ट
स्थान : उपराड़ा
तिथि : 10 मार्च, 2026
समय : 11 बजे से

पंडित लोकरत्न पंत गुमान के साहित्यिक योगदान पर परिचर्चा का आयोजन

रूद्र टाइम्स
बेरीनाग (पिथौरागढ़) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय की अध्यक्षता में पंडित लोकरत्न पंत षुमानीष् के जयंती के अवसर पर षुमानीष् का साहित्यिक योगदानष् विषय पर उनके पैतृक स्थान उप्राणा, गंगोलीहाट में एक परिचर्चा का आयोजन हुआ। इस आयोजन में राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली एवं राजकीय महाविद्यालय गंगोलीहाट सह–आयोजक के रूप में रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर उमा भट्ट रिटायर्ड प्रोफेसर हिन्दी विभाग कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल रही। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रोफेसर भट्ट ने पंडित लोकरत्न पंत षुमानीष् के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विषय में विस्तार से चर्चा की। । उन्होने बताया कि गुमानी संस्कृत के उत्कृष्ट कवियों मे से एक है। उन्होने लोकसाहित्य में गुमानी के योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनकी रचनाओं को संग्रह करने के लिये संग्रहालय होना चाहिए ताकि उनकी रचनाये आम जन–मानस को आसानी से उपलब्ध हो सके। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर सिध्देश्वर कुमार सिंह प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली ने गुमानी की रचनाओं को लोकहितकारी बताया तथा उनके द्वारा रचित कविता का वाचन किया। प्रोफेसर जी. सी. पन्त ने कुमाऊनी कविता सेज गुमानी के विषय में बताते हुए उनके द्वारा विरचित अन्य रचनाओं को भी प्रतिभागियों के समक्ष साझा किया। प्रोफेसर पंत ने गुमानी होली उत्थान समिति को 51000 रु. की धनराशि का सहयोग किया। कार्यक्रम में लखनऊ से आए भास्कर स्थाना ने भी अपने विचार प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में हिमालयन ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बिष्ट एवं गुमानी होली उत्थान समिति उप्राणा गंगोलीहाट के सचिव गिरीश जोशी, संजय पंत, सुरेश चद्र सुयाल ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में महाविद्यालय बेरीनाग एवं महाविद्यालय गंगोलीहाट के विद्यार्थियों ने काव्यपाठ भी प्रस्तुत किया। प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस कार्यक्रम को लोकसंस्कृति के संरक्षण हेतु अति प्रासंगिक बताया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजन की बात कही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र ने किया। डॉ. जे.एन. पंत ने समस्त प्रतिभागियों एवं अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

, शहरों को मिलेगा
14 करोड़ किया

रिवर फ्रंड परियोजनाओं को 10 करोड मिलाकर शहरी विकास विभाग को फूंगीगत मद में 1401.85 करोड़ का बजट प्रावध ान किया गया है। समग्र रूप से शहरी निकायों के लिए 1814 करोड रुपये का प्रावधान किया गया। शहरों में पर्यटन सीजन में विशेषकर जाम मुसीबत है। इससे छुटकारे के लिए 196 वाहन पार्किंग स्थलों का चयन किया गया है। इसमें 66 सरफेस पार्किंग, 112 मल्टी लेवल कार पार्किंग, 09 ऑटोमेटेड कार पार्किंग और नौ टनल पार्किंग चिह्नित हैं। 196 में से 150 की डीपीआर तैयार हो चुकी, जिसमें से 618 करोड़ की 114 परियोजनाओं पर काम शुरू हो चुका। विकास प्राधिकरण 296 करोड़ की 11 परियोजनाओं पर अपने संसाधनों से काम कर रहे हैं।

एनएचएल नेटवर्क

बेरीनाग राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर बीएम पाण्डेय की अध्यक्षता में पंडित लोकरत्न पंत गुमानी के जयंती के अवसर पर गुमानी का साहित्यिक योगदान विषय पर उनके पैतृक स्थान गुमानी ग्राम उप्राडा, गंगोलीहाट में एक परिचर्चा का आयोजन हुआ। इस आयोजन में राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली एवं राजकीय महाविद्यालय गंगोलीहाट सह-आयोजक के रूप में हैं। इस

कवि गुमानी की रचनाओं के लिए होना चाहिए संग्रहालय : उमा भट्ट

236वीं जयंती पर पैतृक स्थान उपराड़ा में गुमानी का साहित्यिक योगदान पर हुई परिचर्चा

कहे गुमानी अंगरेजन से कर लो चाहे जो मन में...

पंडित लोकरत्न पंत गुमान के साहित्यिक योगदान पर परिचर्चा का आयोजन

शहरों को मिलेगा
14 करोड़ किया

पं. गुमानी की जयंती पर साहित्यिक योगदान पर परिचर्चा

बेरीनाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. बीएम पाण्डेय की अध्यक्षता में पंडित लोकरत्न पंत गुमानी की जयंती के अवसर पर उनके साहित्यिक योगदान पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली और राजकीय महाविद्यालय गंगोलीहाट सह–आयोजक के रूप में शामिल रहे।

कार्यक्रम का आयोजन पंडित गुमानी के पैतृक स्थान उप्राणा, गंगोलीहाट में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर उमा भट्ट ने पंडित गुमानी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पंडित गुमानी संस्कृत के उत्कृष्ट कवियों में से एक हैं और लोक साहित्य में उनका योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण है। प्रोफेसर भट्ट ने यह भी सुझाव दिया कि गुमानी की रचनाओं को संग्रहित करने के लिए एक संग्रहालय होना चाहिए, ताकि उनकी रचनाएं आम जन तक कुमार सिंह, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली ने पंडित गुमानी की रचनाओं को लोकहितकारी बताते हुए उनके द्वारा रचित कविता का वाचन किया। प्रो. जी.सी. पंत ने कुमाऊनी कविता सेज के बारे में विस्तार से जानकारी दी और गुमानी की अन्य रचनाओं को भी प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रो. पंत ने गुमानी होली उत्थान समिति को 51,000 रुपये की धनराशि का सहयोग भी किया। कार्यक्रम में लखनऊ से आए भास्कर स्थाना ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में हिमालयन ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बिष्ट, गुमानी होली उत्थान समिति उप्राणा गंगोलीहाट के सचिव गिरीश जोशी, संजय पंत, और सुरेश चंद्र सुयाल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डा. लीलाधर मिश्र ने किया, जबकि डा. जे.एन. पंत ने समस्त प्रतिभागियों और अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक

Dr. Deepa Pant
I/C Hindi Department
Govt. P. G. College Berinag